आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 296 | उज्जैन, सोमवार 15 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

भगवान श्रीकृष्ण की लीला स्थलों पर हम बना रहे हैं श्रीकृष्ण पाथेय तीर्थ-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश के हर नगरीय निकायों में बन रहे हैं गीता भवन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। हमारे पूर्वजों ने लोकतंत्र रूपी पौधे की जड़ों को इतनी खूबसूरती से सींचा है कि अब यह विशाल वटवृक्ष बन चुका है। भगवान श्रीकृष्ण सच्चे अर्थों में लोकतांत्रिक व्यवस्था के पक्षधर थे। उन्होंने अपने राजकाज में लोकतांत्रिक मूल्यों और सभी के विचारों को महत्व दिया। हमारी सरकार भगवान श्रीकृष्ण के बताए मार्ग पर ही चल रही है। उनके विचार हमारे लिए अमूल्य पूंजी और हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को चिरस्थाई बनाने के लिए मध्यप्रदेश एवं देश में उनकी लीला स्थलों को चिन्हित कर श्रीकृष्ण पाथेय विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। श्रीकृष्ण के लीला स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को पटना (बिहार) में भगवान श्रीकृष्ण के विचारों का जन समरस सांस्कृतिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां अखिल भारतीय यादव महासभा अहीर की बिहार इकाई द्वारा आयोजित नियमित समाज सुधार श्रृंखला में भी सहभागिता की और समाज सुधार की दिशा में अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांस्कृतिक सम्मेलन में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण यदुकुल के महान गौरव हैं। वे योगीराज थे। सभी ललित कलाओं में निपूण थे।

मिड-डे मील का खाना खाकर बीमार पड़े 50 से अधिक छात्र, मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले के एक सरकारी विद्यालय में फूड प्वाइजनिंग का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार , विद्यालय में खाना खाने के बाद 50 से ज्यादा छात्रों को फूड पॉइज़निंग के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दरअसल, पूरा मामला जिले के नांगल राजावतान के चूड़ियावास सरकारी स्कूल का है। यहां पर शनिवार को खाना खाने के बाद करीब 50 से अधिक छात्रों ने पेट में दर्द की शिकायत की। जिसके बाद सभी को नांगल सीएचसी लाया गया। यहां से लगभग 15 से 20 छात्रों को जिला अस्पताल, दौसा रेफर किया गया।

इस घटना पर जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि चूड़ियावास के एक स्कूल से लगभग 50 से ज्यादा छात्र पेट दर्द और सिरदर्द की शिकायत के साथ नांगल सीएचसी आए। लगभग 15 से 20 छात्रों को जिला अस्पताल, दौसा रेफर किया गया। शुरुआती वजह यह है कि उन्हें जो खाना दिया गया था, वह शायद घटिया क्वालिटी का था। बच्चों की हालत अब स्थिर है। उन्होंने आगे बताया कि हमने जिला स्तर पर जांच के लिए दो टीमें भेजी हैं, एक खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाने की जांच करेगा और एक शिक्षा विभाग की टीम यह पता लगाएगी कि पोषण में क्या कमी थी।

नक्सलियों के चंगुल से मुक्त करेंगुट्टा पहाड़ी पर बनेगा जंगल वारफेयर कॉलेज, सुरक्षा बलों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले की करेंगुट्टा पहाड़ी, जो कभी नक्सलियों का सबसे सुरक्षित गढ़ मानी जाती थी, इसी पहाड़ी पर जल्द ही देश का दूसरा जंगल वारफेयर कॉलेज स्थापित किया जाएगा। इस कॉलेज में केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल, छत्तीसगढ़ पुलिस, DRG, कोबरा और अन्य सशस्त्र बलों को विशेष प्रशिक्षण मिलेगा। इसका निर्माण केंद्र सरकार करेगी, जबकि एप्रोच रोड और अन्य बुनियादी सुविधाएं राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी।

प्रदेश में इससे पहले साल 2004 में कांकेर में काउंटर टेररिज्म एंड जंगल वारफेयर कॉलेज खोला गया था। करेंगुट्टा पहाड़ी पर बनने वाला यह नया केंद्र नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई को और मज़बूत करेगा।

यह वही इलाका है जिसे इसी वर्ष सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के कब्जे से मुक्त कराया है। 21 अप्रैल 2025 को शुरू हुए ऑपरेशन के दौरान 21 दिन तक चली कार्रवाई में 31 नक्सली ढेर हुए। सूत्रों के अनुसार सुरक्षाबलों ने 214 बंकरों को ध्वस्त कर दिया और माओवादियों की करीब चार तकनीकी इकाइयों को भी नष्ट कर दिया। यह अभियान अब तक की सबसे बड़ी सफलताओं में गिना जा रहा है।

अब आसमान से रहेगी दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर, 670 ड्रोन खरीदेंगी भारतीय सेनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना आने वाले कुछ वर्षों में और भी एडवांस ड्रोन को शामिल करने वाली है। इन ड्रोन की मदद से न केवल सीमा की निगरानी की जाएगी बल्कि, 24 घंटे दुश्मन सेना पर निगाह रखेंगे।

दरअसल, हाल के दिनों में 15 वर्षीय रक्षा आधुनिकरण रोडमैप के तहत यह कदम उठाया गया है। बताया जा रहा है कि भारत की सेनाएं युद्ध में उपयोगी, सर्विलांस में अलग-अलग उपयोग किए जाने वाले ड्रोन खरीदने की योजना बना रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह योजना टेक्नोलॉजी पस्पेक्टिव एंड कैपबिलिटी रोडमैप में पेश की गई है। इस योजना का उद्देश्य भारत की सेनाओं की भविष्य की तकनीकी जरूरतों का खाता तैयार करना है। इसके पीछे की वजह है कि रक्षा उद्योग इस संबंध में पहले से तैयारी कर सके और देश में ही हथियारों से लैस ड्रोन बना सके।

बता दें कि हाइब्रिड आरपीए जिसको सामान्य भाषा में रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट भी कहते हैं, एक ऐसे प्रकार का ड्रोन है जो फिक्स्ड-विंग और रोटरी-विंग दोनों तकनीकों को जोड़ते हैं। जानकारी के अनुसार, ये ड्रोन बीस हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ने की क्षमता रखते हैं। वर्तमान स्थिति के हिसाब से भारतीय वायुसेना को 10-20 हाइब्रिड आरपीए की जरूरत है।

कभी था माओवाद का गढ़, आज हिंदी बनी वरदान; छत्तीसगढ़ के इस गांव में भाषा ने बदला भविष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। कभी माओवादियों का गढ़ कहे जाने वाले गंगालूर में अब बदलाव की बयार बह रही है। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले में स्थित इस क्षेत्र में लगभग एक साल पहले कावड़गांव स्कूल खोला गया था। अब यहां हर सुबह गोलियों की गड़गड़ाहट नहीं, बल्कि बच्चों की चहक सुनाई देती है।

मास्टरजी जब ककहरा पढ़ाते हैं और गोंडी में उसका अर्थ समझाते हैं, तो बच्चे सामूहिक रूप से अक्षर दोहराते हैं। पिछले कुछ दशकों से इस इलाके में हिंदी कहीं गुम सी हो गई थी। मगर, अब यह आवाजें उम्मीद का नया अध्याय खोल रही हैं।

400 गांवों में स्थानीय भाषा का दबदबा- कभी यही इलाका था, जहां बाहरी दुनिया से बात करने के लिए लोगों को ट्रांसलेटर की मदद लेनी पड़ती थी। खासकर सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर के अबूझमाड़ क्षेत्र के 400 से अधिक गांवों में गोंडी, हल्बी दोरली जैसी स्थानीय बोली ही संवाद का आधार थी। माओवादियों ने इसी कमी का फायदा उठाया, शिक्षा और भाषा से दूर रखे गए लोगों को बहला-फुसलाकर किताब की जगह हाथों में बंदूक थमा दी।

हालांकि, सुरक्षाबलों के शौर्य के बल पर माओवादी हिंसक अब खत्म हो रहे हैं और तस्वीर बदल रही है। अब आश्रम-शालाओं से पढ़कर लौटे बच्चे शिक्षादूत बन गए हैं। वे अपनी मातृभाषा में सहज हैं, पर हिंदी सीखकर बाहरी दुनिया से संवाद की खिड़की भी खोल रहे हैं। हिंदी यहां केवल एक भाषा नहीं, बल्कि सपनों का विस्तार है।

बंटवारे के लिए कांग्रेस जिम्मेदार..., NCERT सिलेबस में बदलाव पर भड़के असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्कूल के पाठ्यक्रम में नई NCERT किताबों को शामिल करने का कई लोग विरोध कर रहे हैं। AIMIM के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हो चुका है। ओवैसी ने NCERT का सैलेबस बदलने के लिए भारतीय जनता पार्टी को खरी खोटी सुनाई है। ओवैसी का कहना है कि नई किताब में मुसलमानों को विभाजन का जिम्मेदार ठहराया गया है।

ओवैसी का बयान- मीडिया से बातचीत के दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, बीजेपी ने NCERT का पाठ्यक्रम बदल दिया।

17 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे पीएम मोदी, वैश्विक नेताओं ने प्रधानमंत्री के बारे में क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे। जन्मदिन के खास मौके पर पीएम मोदी मध्य प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। एमपी के धार में वह एक विशाल टेक्सटाइल पार्क का उद्घाटन करेंगे।

पीएम मोदी का जन्म गुजरात के वडनगर में हुआ था। पीएम मोदी सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले गैर-कांग्रेसी पीएम मोदी और लगातार दो बार पूर्ण कार्यकाल पूरा करने वाले गैर-कांग्रेस प्रधानमंत्री बने हैं।

प्रधानमंत्री की लोकप्रियता ना केवल भारत में बल्कि विश्व के कई देशों में उच्च स्तर पर है। इसी साल जुलाई के महीने में सामने आए डेमोक्रेटिक लीडर अप्रूवल रेटिंग की सूचि में शीर्ष पर रहे। पिछले 11 वर्षों के दौरान पीएम मोदी ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का साहसपूर्ण नेतृत्व किया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 15वें वीटीबी रूस कॉलिंग इन्वेस्टमेंट फोरम के दौरान पीएम मोदी की इंडिया फर्स्ट नीति और मेक इन इंडिया की पहल की सराहना की थी। इस दौरान रूस के राष्ट्रपति ने कहा था कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार, भारत को सर्वोपरि रखने की नीति से प्रेरित होकर स्थिर परिस्थितियाँ बना रही है। हमारा मानना है कि भारत में निवेश लाभदायक है।

भारत और अमेरिका के रिश्तों में आई खटास के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने मित्र पीएम मोदी की प्रशंसा करने से नहीं कतराते। पीएम मोदी को लेकर ट्रंप ने कहा कि मैं हमेशा पीएम मोदी का मित्र रहूंगा। वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। वह महान हैं। वहीं, बाद में सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि मैं आने वाले सप्ताह में अपने बहुत अच्छे दोस्त, प्रधानमंत्री मोदी से बात करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे दोनों महान देशों के लिए एक सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज ने सिडनी में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी को बॉस तक कह दिया। उन्होंने कहा कि पिछली बार मैंने इस मंच पर ब्रूस स्प्रिंगस्टीन को देखा था और उन्हें पीएम मोदी जैसा कोई नहीं मिला। पीएम मोदी बॉस हैं।

कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने पीएम मोदी से कहा था कि आप सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं भी आप की तरह ही बनने की कोशिश कर रही हूं।

चीन ने नेपाल की नई PM सुशीला कर्की को भेजा खास संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल की नई अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कर्की को लेकर पड़ोसी चीन ने भी बधाई दी है। चीन ने नेपाल की संप्रभुता और स्वतंत्रता का सम्मान करने का भरोसा दिलाया और दोनों देशों की पुरानी दोस्ती को समय-परीक्षित बताया।

चीन के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, चीन नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनीं मैडम सुशीला कर्की को हार्दिक बधाई देता है। चीन और नेपाल के बीच लंबे समय से चली आ रही गहरी दोस्ती है। चीन हमेशा नेपाल की जनता द्वारा चुने गए विकास के रास्ते का सम्मान करता है।

बयान में यह भी कहा गया कि चीन पांच सिद्धांतों को आगे बढ़ाने और नेपाल के साथ हर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है। यह संदेश चीन के दूतावास ने प्रिटोरिया से भी साझा किया।

कैसे हुए कर्की का चयन- 73 साल की सुशीला कर्की नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश रही हैं। उन्हें शुक्रवार को अंतरिम प्रधानमंत्री की शपथ दिलाई गई। यह फैसला उस समय हुआ जब नेपाल में सोशल मीडिया बैन के खिलाफ युवा पीढ़ी ने बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू कर दिया था।

इस आंदोलन में युवाओं ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म Discord पर वोटिंग करके कर्की को अंतरिम प्रधानमंत्री के लिए चुना। युवाओं ने उन्हें ईमानदारी और निष्पक्षता का प्रतीक बताया। बता दें, केपी शर्मा ओली को आंदोलन के दबाव में इस्तीफा देना पड़ा था।

कर्की के पास है 25 मंत्रालय- शपथ के बाद कर्की ने तुरंत अपने करीबी सलाहकारों और Gen Z आंदोलन से जुड़े नेताओं से चर्चा शुरू कर दी है। The Kathmandu Post के मुताबिक, कर्की रविवार सुबह से ही अपनी मंत्रिपरिषद बनाने के लिए गहन बातचीत शुरू कर दी हैं।

हालांकि, उनके पास 25 मंत्रालयों का अधिकार है, लेकिन वे 15 से ज्यादा मंत्रियों का कैबिनेट नहीं बनाना चाहती हैं। यह फैसला नागरिक समाज और आंदलोनकारियों की मांगों के अनुरूप लिया गया है।

मंत्रियों के लिए जिन नामों पर विचार हो रहा है उनमें विधि विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्याल, पूर्व सेना अधिकारी बालनंद शर्मा, सेवानिवृत्त न्यायाधीश आनंद मोहन भट्टराई, माधव सुंदर खड़का, असीम मान सिंह बस्न्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमान घिसिंग शामिल हैं।

शादी के बाद पत्नी का सरनेम अपना सकते हैं पति, दक्षिण अफ्रीका में बदला सदियों पुराना कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिकता के इस युग में लोग अक्सर महिलाओं और पुरुषों की समानता पर बात करते हैं। मगर, एक चीज जो आज भी कई देशों में आम है, वो है महिलाओं का सरनेम। आमतौर पर शादी से पहले महिलाएं अपने पेरेंट्स का सरनेम लगाती हैं और शादी के बाद उन्हें पति का सरनेम लगाना पड़ता है।

महिलाओं को तवज्जो देने के लिए कई देशों में पुरुषों ने शादी के बाद पत्नी का सरनेम रखने का ट्रेंड शुरू कर दिया। मगर, आपको जानकर हैरानी होगी कि कई देशों में आज भी इसपर पाबंदी है। पुरुषों को महिलाओं का सरनेम रखने की इजाजत नहीं है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने भी यह बेड़ियां तोड़ दी हैं।

सदियों पुराना कानून- दरअसल दक्षिण अफ्रीका में सदियों से एक कानून चला आ रहा था, जिसके तहत पुरुष पत्नी का सरनेम नहीं रख सकते थे। लेकिन, दक्षिण अफ्रीका की अदालत ने इस कानून को सिरे से खारिज कर दिया है। इस फैसले के बाद पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है।

कोर्ट ने क्या कहा- मामले पर फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि यह कानून उपनिवेशवाद के समय से चला आ रहा था, जो लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देता है। कोर्ट के अनुसार, शादी के बाद महिलाओं का सरनेम बदलने की प्रथा रोमन और डच कानून ने शुरू की थी। इससे पहले अफ्रीकी परंपरा में महिलाएं शादी के बाद भी अपने माता-पिता का सरनेम ही रखती थीं। उनका सरनेम नहीं बदला जाता था।

नहीं सुधरेगा पाकिस्तान! ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए लश्कर मुख्यालय का रिनोवेशन शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। 7 मई की रात भारतीय सेना ने सरहद पार जमकर तबाही मचाई, जिसके निशान अभी तक पाकिस्तान की सरजमीं पर मौजूद हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पंजाब के मुरीदके में स्थित लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय, मरकज तैयबा को भी मिट्टी में मिला दिया गया था। वहीं, अब पाकिस्तान इसके पुनर्निर्माण की योजना बना रहा है।

भारतीय खुफिया एजेंसियों के डोजियर के अनुसार, पाकिस्तान आतंक के अड्डे को फिर से संवारने की तैयारी कर रहा है। पिछले महीने मरकज तैयबा को बनाने के लिए कई बड़ी मशीनें मुरीदके पहुंच गई हैं। 7 मई की रात लगभग 12:35 बजे भारतीय सेना के मिराज लड़ाकू विमानों ने सरहद पार करते हुए मुरीदके में मिसाइलें गिराईं। इस हमले में मरकज तैयबा को भी धराशायी कर दिया गया। इस इमारत में न सिर्फ आतंकियों को ट्रेनिंग दी जाती थी, बल्कि भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी जमा किए गए थे। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार 18 अगस्त को मुरीदके में स्थित मरकज तैयबा के पास कई बड़ी मशीनें भेजी गई हैं। 4 सितंबर को उम्म उल कुरा नामक पीले ब्लॉक को भी गिरा दिया गया और इसके ठीक तीन दिन बाद लाल रंग की इमारत को ढहा दिया गया है।

100% आपको मार दिया जाएगा, हत्या से पहले चार्ली किर्क को किसने दी थी चेतावनी? हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेहद करीबी और युवाओं के चहेते चार्ली किर्क की बुधवार को यूटा वैली विश्वविद्यालय में एक बाहरी कार्यक्रम के दौरान हत्या कर दी गई। इस बीच एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी के बयान हड़कंप मच गया है।

दरअसल, एक सुरक्षा अधिकारी ने दावा किया कि उन्होंने चार्ली किर्क को पहले की चेतावनी दी थी कि अगर आवश्यक सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो उनकी 100 प्रतिशत हत्या कर दी जाएगी।

मार्च में ही चार्ली किर्क को किया गया था अलर्ट- द मिरर की एक रिपोर्ट में बताया गया कि बेवर्ली हिल्स के द बॉडीगार्ड ग्रुप के मालिक क्रिस हर्जोग ने दावा किया कि उन्होंने इसी साल मार्च में के महीने में कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में किर्क से मिलने के बाद उन्हें चेतावनी दी थी।

उन्होंने बताया कि उन्होंने किर्क से कहा था कि अगर सावधानी नहीं बरती गई, तो आगामी विश्वविद्यालय भाषण कार्यक्रमों में से किसी में भी उनकी हत्या 100 प्रतिशत कर दी जाएगी।

वहीं, अमेरिकी अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने चार्ली किर्क की हत्या के आरोपी को पकड़ लिया है। बताया जा रहा है कि

लड़ो या मरो, टॉमी रॉबिन्सन की रैली को मिला मस्क का समर्थन; प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को मारे लात-घूंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को ब्रिटेन की राजधानी लंदन में टॉमी रॉबिन्सन की अपील पर लाखों की संख्या में लोग एकत्रित हुए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में करीब 1.50 लाख लोग से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

दरअसल, टॉमी रॉबिन्सन ने यूनाइट द किंगडम के बैनर तले लोगों को से अपील की और लंदन की सड़कों पर विरोध जताया। इस कार्यक्रम में यूरोप और उत्तरी अमेरिका के दक्षिणपंथी लोगों से जुड़ी हस्तियों ने भाषण दिए। अब इन हस्तियों में एक्स के मालिक एलन मस्क का नाम भी शामिल हो गया है। वह भी इस कार्यक्रम में वीडियो लिंक के जरिए शामिल हुए।

एलन मस्क ने वहां पर मौजूद भीड़ से कहा कि आप यहां एक गंभीर स्थिति में हैं। उन्होंने दावा किया कि वामपंथी हत्या और हत्या का जश्न मनाने वाली पार्टी है। मस्क ने कहा कि आप हिंसा चुनें या न चुनें, हिंसा आपके पास आ ही रही है। या तो आप जवाबी कार्रवाई करें या मर जाएं।

वहीं, ब्रिटेन के मध्यमार्गी लिबरल डेमोक्रेट्स के नेता एड डेवी ने सोशल मीडिया पर एलन मस्क और वहां पर हुई हिंसक घटनाएं की आलोचना की है। उन्होंने आगे कहा कि ये अति-दक्षिणपंथी गुंडे ब्रिटेन की बात नहीं करते।

वहीं, इस मार्च को लेकर पुलिस ने बताया कि रैली के बाहरी इलाकों में कई घंटों तक तनावपूर्ण माहौल के दौरान भीड़ को नियंत्रण करने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और विरोध कर रहे लोगों के बीच झड़प भी हुई। इस कारण 26 अधिकारी घायल हो गए, जिनमें से चार गंभीर रूप से घायल हैं।

दुबई की मुरीद हुई भारतीय महिला, आधी रात को सुनसान सड़क पर बनाया वीडियो; अब हो गई वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित शहरों में गिना जाता है और यह एक बार फिर साबित हो गया है। एक भारतीय महिला ने दुबई का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो आधी रात को लगभग 2:37 बजे दुबई की सड़कों पर घूमती नजर आ रही है।

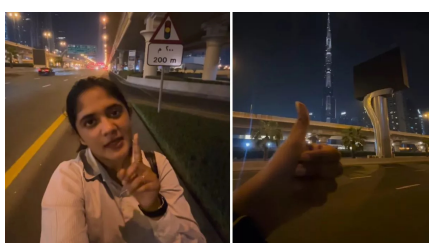

बिना किसी डर के दुबई की सड़कों पर बेखौफ घूमने वाली महिला ने अपना अनुभव साझा किया है। महिला का नाम तृषा राज है, जिन्होंने सोशल मीडिया पर दुबई में महिला सुरक्षा की जमकर तारीफ की है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल- वीडियो में तृषा कहती हैं कि वो काफी सुरक्षित और आजाद महसूस कर रही हैं। इसी के साथ तृषा सभी से दुबई जाने की बात कह रही हैं। तृषा ने वीडियो में कहा-

मैं रात के 2:37 बजे अकेले घूम रही हूं। मैं अपने घर पर यह सोच भी नहीं सकती थी। आपको पता है? मुझे बिल्कुल डर नहीं लग रहा है। मुझे अपना सिर नीचे करके नहीं चलना पड़ रहा है। मैं सुरक्षित, कॉन्फीडेंट और आजाद महसूस कर रही हूं। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं रात को कभी इस तरह से बेखौफ घूमूंगी। दुबई ने मुझे शानदार अनुभव दिया है।

लोगों ने दिए रिएक्शन- तृषा की वीडियो पर 8 लाख से भी ज्यादा व्यूज आ चुके हैं। वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने कहा, ÷मेरी 22 की बेटी कॉलेज के बाद 11 बजे तक घर लौटती है। मुझे उसकी चिंता होने लगती है, तो वो कहती है कि मां यह दुबई है। अब वो सुबह के 4 बजे अकेले जाती है, तो भी मुझे चिंता नहीं होती।

हम युद्ध नहीं करते..., 100% टैरिफ लगाने की धमकी पर ट्रंप को चीन का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ के फैसले ने वैश्विक स्तर पर करीब हर एक देश को प्रभावित किया है। हाल के दिनों में ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया। उन्होंने कहा कि रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाया जा रहा है।

इस बीच राष्ट्रपति ने नाटो देशों को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने नाटो देशों से रूसी तेल खरीदना बंद करने और यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने की अपील की है। इतना ही नहीं उन्होंने नाटो राष्ट्रों से चीन पर 50 से 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की भी बात कही है। ट्रंप के इस बयान पर चीन की प्रतिक्रिया सामने आई है। चीनी विदेश मंत्री ने टंप के बयान पर पलटवार किया है।

क्या बोले चीन के विदेश मंत्री?

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ट्रंप की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि वह ज्वलंत मुद्दों के समाधान के लिए शांति वार्ता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। चीनी विदेश मंत्री ने कहा कि युद्ध समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते और प्रतिबंधों से समस्याएं और जटिल हो जाएंगी।

चाइन डेली रिपोर्ट के अनुसार, चीनी विदेश मंत्री ने ये टिप्पणी शनिवार को की। वे स्लोवेनिया की उप-प्रधानमंत्री और विदेश एवं यूरोपीय मामलों की मंत्री तान्जा फाजोन के साथ बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

कपल ने अपने ही बच्चों को उतार दिया मौत के घाट, फिर की खुद की जान देने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक कपल ने मिलकर पहले अपने दो मासूम बच्चों का कत्ल किया और फिर अपनी जान लेने की कोशिश की। इस दौरान पति की मौत हो गई और पत्नी किसी तरह से बच गई। अब पत्नी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

बेंगलुरु के होसकोटे तालुक में गोनाकनहल्ली गांव की इस घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। आर्थिक परेशानियों से जूझ रही दंपत्ति ने मौत को गले लगाना बेहतर समझा और अपने दोनों बच्चों की भी सांसें छीन लीं।

पुलिस के अनुसार, 32 वर्षीय शिवु अपनी पत्नी मंजुला और 2 बच्चों के साथ रहता था। कुछ साल पहले शिवु का एक्सीडेंट हो गया था, जिसके कारण वो ज्यादातर समय घर पर ही बिताता था। परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था। पैसों को लेकर अक्सर शिवु और मंजुला में झगड़ा भी होता था। दोनों ने कई बार आत्महत्या करने की सोची, लेकिन फिर उन्होंने बच्चों के अनाथ होने के डर से अपने कदम पीछे खींच लिए। आखिर में दंपत्ति ने पहले बच्चों को मारने और फिर अपनी जान लेने का फैसला किया।

वारदात की दोपहर को लगभग 2 बजे शिवु और मंजुला ने बच्चों को मारने के लिए पहले खुद शराब का नशा किया। लगभग 4 बजे दोनों ने मिलकर 11 साल की बेटी चंद्रकला हत्या की। कपल ने बेटी का सिर पकड़कर तबतक पानी में डाले रखा, जबतक उसकी सांसें नहीं रुक गईं। इसके बाद उन्होंने 7 साल के बेटे उदय सूर्या के साथ भी वही किया।

गुजरात के भरुच में एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग, दमकल की 15 गाड़ियां बुझाने में जुटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के भरूच में स्थित एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने की पूरी कोशिश की जा रही है। हालांकि, आग तेजी से फैलती जा रही है। आग की लपटें और काले धुएं से इलाके में हड़कंप मच गया है। इस घटना में किसी भी जानमाल की हानि की सूचना नहीं है। यह हादसा भरूच के GIDC पानोली स्थित संघवी ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड में हुई। आग ने धीरे-धीरे एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटों से उठते धुएं को कई किलोमीटर दूर से ही देखा जा सकता है।

इस हादसे में किसी की जान जाने की सूचना नहीं है। हालांकि, आग से फैक्ट्री को काफी नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। आग बुझने के बाद ही नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकेगा। वहीं, आग लगने की वजह भी अभी सामने नहीं आई है।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब गुजरात में इतनी भीषण आग लगी है। 2 अप्रैल को बानसकांडा के दीसा में स्थित पटाखा फैक्ट्री में धमाका होने से भीषण आग लग गई थी। इस घटना में मध्य प्रदेश के 21 मजदूरों की मौत हो गई थी।

तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत में 2 करोड़ से ज्यादा मामलों का निपटारा, 8 मार्च को हुआ था आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने शनिवार को देश के 29 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के तालुकों या तहसीलों, जिलों और उच्च न्यायालयों में इस साल की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया।

इस लोक अदालत में 2.42 करोड़ से अधिक मामलों का निपटारा किया गया। लोक अदालत का मकसद जनता को तेज, सुलभ और किफायती न्याय दिलाना है। नालसा की प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक शाम 6:30 बजे तक कुल 2,42,55,036 मामलों का निपटारा हुआ। इनमें 2,10,44,809 प्री-लिटिगेशन मामले और 32,10,227 लंबित मामले शामिल रहे।

लोगों के लिए बड़ी राहत- इन मामलों का कुल निपटारा मूल्य 7,817.62 करोड़ रुपये से अधिक रहा। लोक अदालत ने नागरिकों के लिए त्वरित, सुलभ न्याय सुनिश्चित कर बड़ी राहत दी है। देशभर में एक साथ हजारों पीठों ने उन विवादों का समाधान किया जो वर्षों तक अदालतों में फंसे रह सकते थे।

इनमें राजस्व और बैंक वसूली मामले, मोटर दुर्घटना दावे, चेक अस्वीकृति मामले, श्रम और रोजगार विवाद, वैवाहिक विवाद (तलाक को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण संदर्भ, बौद्धिक संपदा अधिकार विवाद, उपभोक्ता मामले, बिजली और पानी के बिल के मामले, ट्रैफिक चालान, और विभिन्न सिविल मामले शामिल हैं।

हमारे अधिकारों पर अतिक्रमण..., देश में नियमित अंतराल पर SIR करवाने के आदेश का चुनाव आयोग ने क्यों किया विरोध?

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बिहार की सियासत में बवाल मचा हुआ है। विपक्ष के विरोध के बीच यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा है। वहीं, चुनाव आयोग का कहना है कि तय समय पर SIR करवाने का आदेश देना आयोग की स्वतंत्रता का हनन करना है।

समय-समय पर पूरे देश में SIR करवाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसके जवाब में चुनाव आयोग ने कहा कि SIR करवाने का फैसला लेना पूर्ण रूप से चुनाव आयोग का अधिकार है। ऐसे में कोई और संस्था यह निर्धारित नहीं कर सकती है कि कहां-कब SIR करवाना है।

चुनाव आयोग ने क्या कहा- सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर करते हुए चुनाव आयोग ने कहा, मतदाता सूची की तैयारी और संशोधन की देखरेख करना चुनाव आयोग का संवैधानिक और वैधानिक अधिकार है।

चुनाव आयोग ने कहा- देश में नियमित अंतराल पर SIR करवाने से जुड़ा कोई भी आदेश चुनाव आयोग के न्यायाधिकार पर अतिक्रमण करने जैसा होगा।

सुप्रीम कोर्ट में की गई मांग- दरअसल एडवोकेट अश्विनी कुमार उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल करते हुए अपील की थी कि सर्वोच्च न्यायालय चुनाव आयोग को नियमित अंतराल पर देश भर में स्क्रूकरवाने का आदेश दे, जिससे देश के नागरिक ही वोट दे सकें।

चुनाव आयोग ने दिए थे आदेश- चुनाव आयोग ने 5 जुलाई 2025 को बिहार के अलावा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नियुक्त मुख्य चुनाव अधिकारियों को आदेश दिया है कि SIR पहले की प्रक्रिया शुरू की जाए। चुनाव आयोग ने इसके लिए 1 जनवरी 2026 से तक मोहलत दी है।

नीचे बच्चों की क्लास और ऊपर ड्रग्स का कारोबार; हैदराबाद के स्कूल में बड़े रैकेट का भंडाफोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद के प्राइवेट स्कूल में पुलिस ने एक ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने स्कूल के निदेशक समेत 3 लोगों को हिरासत में ले लिया है। यह सभी आरोपी स्कूल की आड़ में अवैध ड्रग तस्करी का बिजनेस चला रहे थे।

हैदराबाद के मेधा स्कूल की निदेशक मालेला जया प्रकाश गौड़ ने कक्षाओं को प्रतिबंधित परिसर घोषित कर दिया था। शिक्षकों का स्कूल के इस हिस्से में जाना मना था। यहीं पर अल्प्राजोलम नामक ड्रग तैयार किया जाता था।

ताड़ी में मिलावट के लिए होता है इस्तेमाल- बता दें कि अल्प्राजोलम एक तरह का नशीला पदार्थ है, जिसका इस्तेमाल ताड़ी में मिलावट के लिए होता है। इस ड्रग पर बैन लगा हुआ है, इसके बावजूद मेधा स्कूल में अल्प्राजोलम बनाने का काम धड़ल्ले से चल रहा था।

तेलंगाना पुलिस की एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ इंफोर्समेंट टीम ने जब स्कूल पर छापेमारी की, तो केमेस्ट्री लैब से 8 रिएक्टर और ड्रायर बरामद हुए। इनका इस्तेमाल ड्रग बनाने के लिए किया जाता था। मालेला ने ड्रग बनाने की प्रक्रिया अपने सहयोगी गुरुवारेड्डी से सीखी थी। स्कूल में ड्रग बनाने के बाद उसे महबूबनगर में स्थित ताड़ी की दुकानों पर सप्लाई किया जाता था।

7 किलो ड्रग्स और 21 लाख कैश बरामद- पुलिस को स्कूल में 7 किलो अल्प्राजोलम मिला है। इसके अलावा पुलिस ने 21 लाख कैश, ड्रग बनाने के कच्चे रसायन और ड्रग बनाने वाले उपकरण भी बरामद हुए हैं। यह गैरकानूनी काम पिछले 6 महीनों से चल रहा है। मालेला हफ्ते के 6 दिन स्कूल की आड़ में ड्रग बनवाती थी और रविवार को जब स्कूल की छुट्टी होती थी, तो ड्रग सप्लाई किया जाता था।

स्कूल के निचले और पहले फ्लोर पर बच्चों की क्लास चलती थी। वहीं, दूसरी मंजिल पर ड्रग बनाने का गैरकानूनी काम चल रहा था। पुलिस ने मालेला समेत उसके 2 सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया है, जो ड्रग बनाने से लेकर सप्लाई में मलाले का साथ दे रहे थे।

बांग्ला मूल और भोजपुरी परिवेश, लेकिन हिंदी से दिया एकात्म राष्ट्र संदेश; 77 साल में भी लेखिका को साहित्य सेवा की धुन

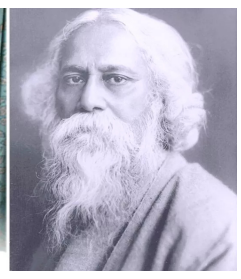

नई दिल्ली (एजेंसी)। रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा जीवन के अंतिम वर्षों में लिखे चार ग्रंथों रोगशज्जाये, आरोग्य, जन्मदिने और शेष लेखा का हिंदी अनुवाद 'रोगशय्या पर', 'आरोग्य', 'जन्मदिन पर' व 'अंतिम सत्य' में पढ़ते हुए आप संवेदना की गहराइयों में पहुंच जाएंगे। इनका प्रवाहमयी हिंदी अनुवाद कवींद्र के भावों को जीवंत करता है। यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह भावानुवाद करने वाली लेखिका डा. अनुराधा बनर्जी की न तो मातृभाषा हिंदी है, न परिवेश।

बीएचयू से संबद्ध वसंत कन्या महाविद्यालय से बतौर अंग्रेजी विभागाध्यक्ष सेवानिवृत्त होने के बाद 10 वर्षों से वह एकनिष्ठ होकर साहित्य सर्जना में जुटी हैं। कोरोना काल ने इसे और गति प्रदान की। अपनी तीन मौलिक रचनाओं 'हवा ने करवट ली' (2004, काव्य संग्रह) 'दिशाओं की खोज में' (2024, काव्य संग्रह) व 'मशाल वो सुभाष की' (नाटक संग्रह) के प्रकाशन के साथ ही बांग्ला, संस्कृत व उर्दू के उत्कृष्ट साहित्यिक ग्रंथों के भावानुवाद में लगी हैं। उनकी भाषा का लालित्य, कल-कल, छल-छल जैसा प्रवाह, उत्कृष्टता पाठक को एक मोहपाश में बांध लेती है।

डा. बनर्जी के लिए भाषा के बंधन मायने नहीं रखते। 77 वर्ष की आयु में भी बस एक ही धुन है, सतत साहित्य सेवा। बतौर नागरी प्रचारिणी सभा की सभापति उनका लक्ष्य बस उत्कृष्ट साहित्य को भावी पीढ़ी व सुधी पाठकों तक उनकी भाषा में पहुंचाना। संपूर्ण रवींद्र साहित्य के हिंदी अनुवाद को संकल्पित डा. अनुराधा बनर्जी ने अब तक रवींद्रनाथ टैगोर के चार ग्रंथों व तीन नाटकों 'अचलायतन' 'मुक्तधारा' व 'चंडालिका' का अनुवाद कार्य पूर्ण कर उसे प्रकाशित भी करा दिया है।

गुरुदेव के दो कालजयी नाटकों 'चित्रांगदा' व 'नटी की पूजा' का अनुवाद कार्य पूर्ण हो चुका है और प्रकाशन के पूर्व प्रूफ रीडिंग जारी है। डा. बनर्जी ने चीनी उपनिषद 'ताओ तेन चिंग' के अंग्रेजी अनुवाद से उसे हिंदी में इस तरह अनुदित किया है कि उसे पढ़ते हुए लगता है जैसे हम कोई वैदिक साहित्य पढ़ रहे हों।झ

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल नवमी

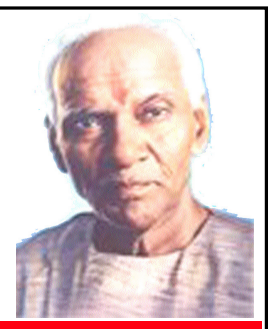

संपादकीय

देवनागरी लिपि में हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया था

वर्ष 1949 में इसी तारीख को संविधान सभा ने एक लंबी और सजीव बहस के बाद देवनागरी लिपि में हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया था। भारतीय संविधान के भाग के अनुच्छेद 343 से 351 तक इसी विषय के बारे में है। अनुच्छेद 343 (1) में यह घोषणा की गई है कि देवनागरी लिपि में हिंदी संघ की राजभाषा होगी। लेकिन अनुच्छेद 343 (2) और उसके बाद के अनुच्छेदों को पढ़ने से पता चलता है कि भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में राजभाषा के मुद्दे को बहुत कठिन और जटिल रास्ते से होकर गुजरना है क्योंकि देश के सरकारी संस्थानों में अंग्रेजी में निर्धारित कानूनों, नियमों और विनियमों का ही वर्चस्व है।

इसका एक समझौता के रूप में वर्णन किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों की सभी कार्यवाहियां, संसद और राज्य विधानसभाओं में पेश किए जाने वाले या पारित सभी विधेयकों और अधिनियमों के अधिकृत पाठ, संविधान के तहत पारित सभी आदेश / नियम / कानून और विनियमों को अंग्रेजी में ही होना चाहिए (जैसा औपनिवेशिक भारत में था)। 17 फरवरी, 1987 को संविधान (58वां) संशोधन अधिनियम के पारित होने तक संविधान (संशोधनों में शामिल) का कोई अद्यतन संस्करण संशोधनों के साथ हिंदी में जारी नहीं किया जा सकता था। विभिन्न कारणों से एक राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। यही कारण है कि 78 वर्षों के बाद भी हिन्दी अंग्रेजी की जगह लेती हुई कहीं भी दिखाई नहीं दे रही है। हमारे संविधान निर्माताओं ने इस कार्य के लिए केवल 15 साल का समय दिया था।

राजभाषा की अवधारणा

राज्य के विभिन्न अंगों जैसे विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और सशस्त्र बलों आदि से संबंधित है। हालांकि, देश अपने सरकारी संस्थानों से कहीं बड़ा है। भारत में महात्मा गांधी ने जो जन जागरण किया वह संस्थानों से बाहर हुआ था। उनका असहयोग आंदोलन या भारत सरकार अधिनियम 1919 के तहत कांग्रेस का चुनाव में भाग लेने के उनके विरोध से यह पता चलता है कि उन्होंने देश की अपने संस्थानों पर निर्भरता को नकार दिया था। गांधीजी औपनिवेशिक भारत में उसके राज्य तंत्र के बीच की खाई और उसके लाखों लोगों के बारे में पूरी तरह जागरूक थे। वे भारत की बजाय भारतीय राष्ट्र को संबोधित करना चाहते थे। गांधीजी ने ऐसा करने के लिए अंग्रेजी की बजाय लोगों की भाषा का उपयोग करने का तरीका अपनाया।

भाषा का यह प्रश्न गांधीजी के स्वदेशी अभियान का अभिन्न अंग था। उन्होंने यह समझ लिया था कि लोग अपनी भाषा के जरिए ही स्वराज के मिशन में शामिल हो सकते हैं। इसलिए 1915 में दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद, गांधी ने हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया। प्रताप (हिन्दी) में 28 मई, 1917 को प्रकाशित उनके लेख में हिंदी को राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्वीकार करने की वकालत की गई थी। 15 अक्टूबर 1917 को भागलपुर के कटहलबाड़ी क्षेत्र में बिहारी छात्रों का एक सम्मेलन आयोजित किया गया था। देशरत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद के निर्देश पर बिहारी छात्रों के संगठन का काम लालूचक के श्री कृष्ण मिश्र को सौंपा गया था। बिहारी छात्रों के सम्मेलन की अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी। अपने संबोधन में महात्मा गांधी ने कहा था-' मुझे अध्यक्ष का पद देकर और हिन्दी में व्याख्यान देना और सम्मेलन का काम हिन्दी में चलाने की अनुमति देकर आप विद्यार्थियों ने मेरे प्रति अपने प्रेम का परिचय दिया है। इस सम्मेलन का काम इस प्रांत की भाषा में ही और वही राष्ट्रभाषा भी है- करने का निश्चय दूरन्वेषी से किया है।

करम सिंह

लांस नायक करम सिंह भारत के दूसरे परमवीर चक्र से सम्मानित व्यक्ति थे। इन्हें यह सम्मान सन 1948 में मिला।

जीवन परिचय

लांस नायक करम सिंह का जन्म 15 सितम्बर 1915 को पंजाब के संगरूर ज़िले के भालियाँ वाले गाँव में हुआ था। 6 वर्ष की उम्र में करम सिंह को स्कूल भेजा गया और पूरी कोशिश के बाद परिणाम यही निकला कि उन्हें पढ़ा पाना किसी के लिए भी असम्भव है। इनके पिता सरदार उत्तम सिंह एक सम्पन्न किसान थे। उन्होंने कोशिश की कि करम सिंह खेती बाड़ी में ही लग जाएँ, लेकिन वहाँ भी इन्हें कामयाबी नहीं मिली। करम सिंह का मन वहाँ भी रमता नज़र नहीं आया और इस तरह वह एक नालायक बच्चे की तरह शुमार किये जाने लगे। दूसरी ओर करम सिंह के मन में साहसिक और रोमांचक ज़िंदगी की ललक थी और इनके चाचा ही इनके आदर्श थे, जो फौज में जूनियर कमांडिंग ऑफिसर थे। अपनी ही तरह की इस तबियत के चलते करम सिंह गाँव में कुश्ती और खेल-कूद के चैंपियन कहे जाते थे।

सेना में भर्ती

अपनी आने वाली ज़िंदगी में जो तमगे इन्हें सचमुच देश भर का सिरमौर बनाने वाले थे, उनकी बुनियाद 15 सितम्बर 1941 को पड़ी। दूसरा विश्व युद्ध पूरे जोर-शोर से जारी था। उन्हीं दिनों फौज की भर्ती का एक मौका उनके गाँव में भी आया, जिसे करम सिंह ने नहीं गँवाया और इस तरह 26 वर्ष की उम्र में करम सिंह एक फौजी बन गए। राँची में बेहद सरलता से अपनी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद इन्हें अगस्त 1942 में सिख रेजीमेंट में लिया गया। वहाँ से ही, करम सिंह ने अपनी धाक एक कुशल नायक के रूप में जमाई और अपने अफसरों को यह आभास दिया कि वह कठिन परिस्थिति में तुरंत ठीक निर्णय लेने की क्षमता रखने वाले सैनिक हैं। करम सिंह ने अपनी पहचान न सिर्फ लड़ाई के मैदान में बनाई, बल्कि खेल के मैदान में भी वह पीछे नहीं रहे। जहाँ बचपन में वह कुश्ती में अपना नाम रखते थे, वहीं फौज में उन्होंने पोल वॉल्ट तथा ऊँची कूद में नाम रौशन किया।

1947 युद्ध

3 जून, 1947 को अंग्रेज़ों ने देश के बंटवारे की अपनी योजना की घोषणा की। उस समय यह देश छोटी-बड़ी रियासतों में बँटा हुआ था। अंग्रेज़ों ने यह प्रस्ताव रखा कि रियासतें, जिस किसी भी बँटे हुए हिस्से, हिंदुस्तान या पाकिस्तान, में मिलना चाहें मिल जाएं या चाहें तो स्वतन्त्र रहने की मर्ज़ी जाहिर करें। लगभग सब रियासतों ने अपना निर्णय लिया। जिन रियासतों ने कहीं भी न मिलना तय किया, जम्मू कश्मीर उनमें से एक रियासत थी, जिसमें महाराजा हरि सिंह की हुकूमत थी। उन्होंने अपनी प्रजा की मर्ज़ी जानने के नाम पर, निर्णय लेने से पहले कुछ समय माँगा जो अंग्रेजों ने दिया। भारत और पाकिस्तान दोनों को इस बीच धैर्य पूर्वक इंतजार करना था। भारत उस समय बंटवारे की समस्याओं में उलझा हुआ था, इसलिये वह तो उस ओर से खामोश था ही, लेकिन पाकिस्तान तो जम्मू कश्मीर पर आँख गड़ाए बैठा था। उसे लगता था कि मुस्लिम आबादी तथा सीमा के हिसाब से जम्मू कश्मीर उसे ही मिलना चाहिये। पाकिस्तान इस इन्तजार में बेचैन हो गया। उसने जम्मू कश्मीर को हमेशा से मिलने वाली राशन, तेल, नमक, किरोसिन आदि की सप्लाई बंद करदी। उसका इरादा राजा हरि सिंह पर दबाब डालना था। उसके बाद उसने 20 अक्टूबर, 1947 को जम्मू कश्मीर पर सब तरफ से हमला कर दिया। कश्मीर ने भारत से मदद माँगी तो भारत ने कहा कि चूँकि कश्मीर स्वतंत्र रहना चाहता है, इसलिए उसका बीच में पड़ना ठीक नहीं है। इस पर घबराकर हरि सिंह ने यथास्थिति बनाए रखते हुए भारत के साथ जुड़ने का प्रस्ताव पत्र लिखा जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया। अब लड़ाई भारत और पाकिस्तान की हो गई। भारत इस तरफ अकेला था और पाकिस्तान को ब्रिटिशराज के फौजी और नागरिक, अधिकारियों का गुप-चुप हौसला था। भारत इस युद्ध का हिस्सा 28 अक्टूबर से बना और उसे यह लड़ाई एक साथ कई मोर्चों पर लड़नी पड़ी। मेजर सोमनाथ शर्मा रणभूमि में शहीद हो गये थे जबकि लांस नायक ने न केवल फ़तह हासिल की, बल्कि अपनी टुकड़ी की जान भी सलामत रखी।

निधन

जम्मू कश्मीर का युद्ध ही उनकी बहादुरी की कहानी नहीं कहता बल्कि उसके पहले वे दूसरे विश्व युद्ध में भी अपनी वीरता का परचम लहरा चुके थे जिसके लिए इन्हें 14 मार्च 1944 को सेना पदक मिला और इस सम्मान के साथ ही इन्हें पदोन्नति देकर लांस नायक भी बनाया गया। देश को अपने शौर्य से विजय का इतिहास देकर लांस नायक करम सिंह ने एक लम्बा जीवन जीया और वर्ष 1993 में अपने गाँव में उन्होंने शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। उस समय उनकी पत्नी गुरदयाल कौर उनके साथ थीं।

सुबह उठने से रात को सोने तक हर जरूरी प्रोडक्ट होगा सस्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि वस्तु एवं सेवा कर में कटौती देश के हर नागरिक के लिए एक बड़ी जीत है। सीतारमण ने रविवार को चेन्नई में एक कार्यक्रम में कहा कि भारत के हर राज्य के अपने त्योहारों को ध्यान में रखते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दीपावली से पहले जीएसटी सुधारों को लागू करने के निर्देश से बहुत पहले ही इन्हें लागू करने का निर्णय लिया गया है।

चेन्नई सिटीजन्स फोरम द्वारा आयोजित 'उभरते भारत के लिए कर सुधार' कार्यक्रम में अपने संबोधन में सीतारमण ने कहा कि माल एवं सेवा कर का लाभकारी प्रभाव सुबह की शुरुआत से लेकर रात के सोने तक सभी उत्पादों पर रहेगा।

कुछ प्रमुख पहल का उल्लेख करते हुए सीतारमण ने कहा कि जिन 99 प्रतिशत वस्तुओं पर पहले जीएसटी के तहत 12 प्रतिशत कर लगता था, अब उनपर सिर्फ पांच प्रतिशत कर लगेगा। नए जीएसटी सुधार (2.0) 22 सितंबर से लागू होंगे।

140 करोड़ नागरिकों पर पड़ेगा असर- वित्त मंत्री ने कहा, ÷जब लोगों को लगा कि सरकार ज्यादा टैक्स लगा रही है तो प्रधानमंत्री मोदी ने टैक्स के बोझ को घटाने के लिए कदम उठाए। जीएसटी में कटौती का हमारे 140 करोड़ नागरिकों पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। प्रधानमंत्री दिवाली से पहले देश को यह छूट देना चाहते थे, लेकिन हमें नवरात्रि से पहले ही इसकी घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह सभी भारतीयों की जीत है।

कितना हो गया जीएसटी कलेक्शन- इसके अतिरिक्त, वित्त मंत्री ने बताया कि 2017 में केवल 65 लाख लोग की जीएसटी का भुगतान कर रहे थे, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर 1.5 करोड़ पर पहुंच गई है। साथ ही जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 22.08 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो कि 2018 में 7.18 लाख करोड़ रुपए था।

जीएसटी में कटौती का श्रेय राज्यों के साथ साझा करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य के मंत्री जीएसटी परिषद की शुरुआत से ही इसका हिस्सा रहे हैं, और यह निर्णय सामूहिक रूप से लिया गया है।

मल्टीबैगर स्टॉक को महाराष्ट्र से मिला 374 करोड़ का फ्रेश ऑर्डर

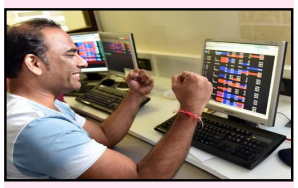

नई दिल्ली (एजेंसी)। मल्टीबैगर स्टॉक शक्ति पम्प्स लिमिटेड को एक फ्रेश ऑर्डर मिला है। कंपनी को महाराष्ट्र से 374 करोड़ रुपये का काम मिला है। यह वर्क ऑर्डर कंपनी को महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिकसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से मिला है। बता दें, बीते हफ्ते शुक्रवार को इस कंपनी के शेयरों में ताबड़तोड़ तेजी देखने को मिली थी। बीएसई में यह स्टॉक 6.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 858.35 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

शक्ति पम्प्स लिमिटेड ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया था कि उन्हें महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिकसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से 34,720 ऑफ ग्रिड सोलर वाटर पंपिंग सिस्टम्स का ऑर्डर मिला है। इस वर्क ऑर्डर की कीमत 374 करोड़ रुपये की है। इस बार कंपनी को 12451 सिस्टम लगाने है। इससे पहले शक्ति पम्प्स को 10,000 सिस्टम का ऑर्डर महाराष्ट्र से मिला था। उस वर्क ऑर्डर की कीमत 268.88 करोड़ रुपये थी। पिछले एक महीने में शक्ति पम्प्स के शेयरों की कीमतों में 2.73 प्रतिशत की तेजी आई है। हालांकि, इसके बाद भी यह स्टॉक इस साल 23 प्रतिशत का निगेटिव रिटर्न देने में ही सफल रहा है। वहीं, एक साल में शक्ति पम्प्स के शेयरों की कीमतों में 19 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली थी।

रफ्तार पकड़ चुके हैं ये 5 स्टॉक्स, अभी खरीदा तो होगी रिटर्न की बारिश!

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार भी खबरों, अफवाहों और ट्रेंड के हिसाब से अपना रुख बनाता है। यह कभी तेजी से चढ़ता है, तो कभी अचानक ढह भी जाता है? लेकिन कुछ स्टॉक्स ऐसे होते हैं, जो किसी तेज रफ्तार ट्रेन की तरह अपने ट्रैक पर आगे बढ़ते हैं।

इन्हीं रफ्तार पकड़ते शेयरों को पहचानने की कला को कहते हैं मोमेंटम इन्वेस्टिंग।

ऐसे में यदि आपको पहले से पता चल जाए कि अगले कुछ हफ्तों में कौन से स्टॉक्स रफ्तार पकड़ने वाले हैं तो कैसा हो?

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के वेल्थ मैनेजमेंट डिवीजन में क्वांट प्रोडक्ट्स के प्रमुख नील झा ने 15 से 26 सितंबर 2025 के लिए टॉप 5 बुलिश मोमेंटम स्टॉक्स की बाय-वीकली वॉचलिस्ट के बारे में जानकारी दी है।

यह वॉचलिस्ट कंपनी के विशेष क्वांटिटेटिव मोमेंटम मॉडल पर आधारित है, जो डाटा-ड्रिवन एनालिसिस और ट्रेंड फॉलोइंग स्ट्रैटेजी पर काम करता है।

क्या है मोमेंटम स्ट्रैटेजी- मोमेंटम इन्वेस्टिंग एक ऐसा निवेश तरीका है जो उन स्टॉक्स में निवेश को प्राथमिकता देता है, जो हाल के हफ्तों या महीनों में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं।

जो स्टॉक्स ऊपर की दिशा में ट्रेंड कर रहे हैं, वे निकट भविष्य में भी अच्छा प्रदर्शन जारी रख सकते हैं।

इस मॉडल में 3 से 12 महीनों के लुक-बैक पीरियड के आधार पर स्टॉक्स की परफॉर्मेंस का एनालिसिस किया जाता है। हाई मोमेंटम वाले स्टॉक्स को वॉचलिस्ट में शामिल किया जाता है।

इन स्टॉक्स को ख्र्ख्रस्रु के एनालिस्ट्स ने "Buy" रेटिंग दी है और ये सभी कंपनियां मजबूत फंडामेंटल्स के आधार पर चुनी गई हैं। यह वॉचलिस्ट खास तौर पर रिटेल निवेशकों के लिए बनाई गई है, ताकि वे इन संभावित स्टॉक्स को अपनी रिसर्च का आधार बना सकें।

1 लाख रुपये लगाने वाले 5 साल में बने करोड़पति, TV-AC और वॉशिंग मशीन बनाती है कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट के शेयरों ने पिछले 5 साल में मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 11000 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड के शेयरों में पांच साल पहले 1 लाख रुपये लगाकर अपने निवेश को बनाए रखने वाले शेयरधारक अब करोड़पति हो गए हैं। कंपनी के शेयरों ने पांच साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 1 करोड़ रुपये से ज्यादा बना दिया है। पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट एक दिग्गज इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग सर्विस कंपनी है। पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट एयर कंडीशनर्स, वॉशिंग मशीन, LED टेलिविजन्स, एयर कूलर्स और प्लास्टिक कंपोनेंट्स बनाती है।

पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट के शेयर 4 सितंबर 2020 को 5 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 12 सितंबर 2025 को BSE में 570.05 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 5 साल से कुछ ज्यादा समय में पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट के शेयरों में 11265 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है।

अगर किसी व्यक्ति ने 4 सितंबर 2020 को पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की मौजूदा वैल्यू 1.14 करोड़ रुपये होती।

हॉस्पिटल्स और इंश्योरेंस कंपनियों में फिर टकराव, अब इस बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी के कैशलेस पर संकट, कहीं आपके पास तो नहीं इसकी पॉलिसी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने आज स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस को पूरी तरह से समर्थन देने की घोषणा की है।

यह कदम एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इंडिया की एकतरफा और अनुचित रूप से कैशलेस सर्विस निलंबित करने की धमकी के विरोध में उठाया गया है।

GIC ने अपने बयान में कहा कि AHPI का यह कदम न सिर्फ पॉलिसीधारकों के हितों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पूरे हेल्थ इंश्योरेंस सिस्टम में लोगों के भरोसे को भी कमजोर करता है।

बैठक टाली, फिर भी उठाया गया एकतरफा कदम- जनरल इंश्योरेंस काउंसिल ने बताया कि उसने 2 सितंबर 2025 को AHPI के साथ एक बैठक तय की थी ताकि मुद्दों का सकारात्मक और रचनात्मक समाधान निकाला जा सके।

लेकिन AHPI ने इस बैठक को बिना कोई तारीख दिए अनिश्चित समय के लिए टाल दिया। इसके बावजूद एकतरफा कार्रवाई कर दी, जो सहयोग की बजाय टकराव का संकेत देती है।

मरीजों की देखभाल से नहीं होनी चाहिए समझौता- काउंसिल ने यह भी स्पष्ट किया कि टैरिफ नेगोशिएशन और बिलिंग प्रथाएं स्वास्थ्य बीमा और अस्पतालों के बीच आम व्यावसायिक प्रक्रियाएं हैं, और इन्हें मरीजों की देखभाल से जोड़कर कभी भी दबाव का हथियार नहीं बनाना चाहिए।

स्टार हेल्थ के पॉलिसीधारकों को आश्वस्त करते हुए काउंसिल ने कहा कि उन्हें कैशलेस हेल्थकेयर सेवाएं बिना किसी रुकावट के मिलती रहेंगी और उनका बीमा कवरेज पूरी तरह सुरक्षित रहेगा।

किसी भी प्रकार का व्यवधान खासकर आपातकालीन परिस्थितियों में परिवारों पर आर्थिक बोझ डालता है और मरीज की सेहत को जोखिम में डालता है।

GIC ने बताया कि हेल्थ इंश्योरेंस इंडस्ट्री ने हमेशा प्रयास किया है कि देशभर में लोगों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती इलाज मिल सके।

अगले हफ्ते खुलेंगे 5 नए आईपीओ, अभी से 160 तक चल रहा GMP

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले हफ्ते 5 नए आईपीओ शेयर बाजार में आएंगे। इनमें से दो मेनबोर्ड और 3 एसएमई कैटेगरी के होंगे। जो कंपनियां अपने-अपने आईपीओ अगले हफ्ते लाने जा रही हैं, उनमें टेकडी साइबरसिक्योरिटी, यूरो प्रतीक सेल्स, संपत एल्युमिनियम, वीएमएस टीएमटी और जेडी केबल्स शामिल हैं। क्या होता है आईपीओ

इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) प्रोसेस के तहत प्राइवेट कंपनियां पब्लिक निवेशकों से इक्विटी कैपिटल (पैसा) जुटाने के लिए आम निवेशकों को अपने शेयर बेचती हैं। आईपीओ किसी प्राइवेट ओनरशिप वाली कंपनी को पब्लिक कंपनी में बदल देता है। यह प्रोसेस स्मार्ट निवेशकों के लिए अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त करने का अवसर भी देती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

गरबे के दौरान मचाया उत्पात तो होगी सख्त कार्रवाई, पुलिस ने जारी की गाइडलाइन

जबलपुर। नवरात्र व दशहरा पर्व पर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के उद्देश्य से पुलिस कंट्रोल रूम में बैठक आयोजित की गई। जिलेभर से आए अधिकारियों को पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि धार्मिक पर्वों के दौरान सुरक्षा व शांति व्यवस्था में किसी तरह की ढिलाई न होने पाए। गरबा आयोजकों की बैठक लेकर स्पष्ट कर दें कि खुले स्थान में आयोजन न करें। पर्वों के दौरान कुछ विघ्न संतोषी तत्व सक्रिय हो जाते हैं। जो अशांति व आपराधिक घटनाओं का कारण बन सकते हैं। लिहाजा ऐसे तत्वों को अभी से चिह्नित करते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

विशेष सतर्कता बरतने के दिए निर्देश

पुलिस अधीक्षक ने आगे कहा कि आने वाले दिन कानून व्यवस्था की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हैं। संस्कार धानी में दुर्गा उत्सव पर्व बड़े ही धूमधाम एवं वृहत स्तर पर मनाया जाता है, जिसकी ख्याति पूरे प्रदेश में है। सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी को शाम से ही श्रद्धालु शहर में जगह-जगह सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित दुर्गा जी की प्रतिमाओं के दर्शन हेतु निकलते हैं, जिसको लेकर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बैठक में मिले निर्देशों से सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र की दुर्गा उत्सव समितियों आदि को समय रहते अवगत करा दें। बैठक में एसपी के निर्देश

पारंपरिक स्थान पर ही स्थापित हों मां दुर्गा की प्रतिमा।

पंडाल इस प्रकार बनाए जाएं कि आवागमन अवरुद्ध न हो।

पंडालों में आग बुझाने के प्रर्याप्त इंतजाम हों। चारों तरफ कनात भी लगाएं।

पंडाल अथवा जुलूस मार्ग पर डीजे प्रतिबंधित रहेगा।

पंडाल की दानपेटी की जिम्मेदार समिति के अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष की रहेगी।

जहां पूर्व में विवाद हुए, वहां विशेष नजर रखी जाए।

विद्युत साजसज्जा में कटे तारों का उपयोग न किया जाए।

पंडालों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाना समितियां सुनिश्चित करें।

विसर्जन स्थलों पर होमगार्ड व स्थानीय गोताखोर तैनात किए जाएं।

मंदिरों की सुरक्षा के लिए नियमित पेट्रोलिंग की जाए। रास्तों पर प्रकाश व्यवस्था बेहतर हो।

पुलिस वाहनों में बलवा ड्रिल सामाग्री, टियर गैस, टार्च, वीडियो कैमरा, आवश्यक रूप से रखें।बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आयुष गुप्ता (आइपीएस), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 पल्लवी शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सूर्यकांत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) अंजना तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध जितेन्द्र सिंह, सहित समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी तथा चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

पति-पत्नी का खून से लथपथ शव मिलने से मचा हड़कंप, भारी हथियार से वार कर की हत्या

बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र के नांदी मोहगांव में रविवार दोपहर एक घर में पति-पत्नी का खून से लथपथ शव मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों शव बेडरूम में मिले। पत्नी का शव जहां बिस्तर पर था, तो पति का शव बिस्तर के बगल में जमीन पर पड़ा मिला। मृतकों की पहचान हेमेंद्र बिसेन (48) और योगिता बिसेन (40) के रूप में हुई है।

भारी हथियार से वार कर उतारा मौत के घाट

प्रथम दृष्टया मामला हत्या का है। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और फारेंसिक टीम ने छानबीन शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों पर वजनी हथियार से वार कर मारा गया है। घर के चारों तरफ पुलिस का सख्त पहरा लगा दिया गया है। तकनीकी और फारेंसिक विशेषज्ञ बारीकी से जांच कर रहे हैं। पुलिस का अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।पुलिस की मामले की जांच में जुटी

जानकारी के अनुसार, मृतक हेमेंद्र बिसेन हार्डवेयर व्यापारी थे, जो अपने पुत्र वशिष्ठ बिसेन और पत्नी योगिता के साथ रहते थे। उनकी एक बेटी प्रज्ञा भी है, जो नागपुर में रहकर पढ़ाई कर रही है। जब घटना की जानकारी लगी, तब वशिष्ठ घर में ही अलग कमरे में था।

फर्जी सिम विक्रेताओं पर पुलिस की कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। आर्थिक अपराधों और साइबर फ्रॉड में इस्तेमाल हो रही फर्जी सिम कार्डों की पहचान कर अनाधिकृत विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। फर्जी सिम एजेंटों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शनिवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि सिम विक्रेता ग्राहकों के पहचान दस्तावेजों का दुरुपयोग कर नियमों के खिलाफ प्री-एक्टिव सिम तैयार कर बेचते थे।

साइबर फ्रॉड में किया जा रहा था

इन सिम कार्डों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड में किया जा रहा था। आरोपितों की पहचान विकाश पाण्डे (शेकारा जागीर, डबरा), नाहर सिंह बघेल (चिनौर रोड, डबरा), योगेश कुशवाह (नाका चन्द्रबदनी रोड, ग्वालियर) के रूप में हुई। आरोपितों के खिलाफ धारा 318(2) बीएनएस और धारा 66(सी) आईटी एक्ट के तहत दो प्रकरण थाना डबरा सिटी और एक प्रकरण थाना बहोड़ापुर में दर्ज किया गया है।इन बातों का रखें ध्यान

सिम कार्ड हमेशा अधिकृत विक्रेता से ही खरीदें।

किसी अनजान व्यक्ति को पहचान दस्तावेज न दें।

प्रलोभन, कमीशन या ऑफर में आकर सिम या बैंक खाते साझा न करें।

आधार से कितनी सिम जुड़ी हैं इसकी जानकारी से प्राप्त करें।

किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना 1930 हेल्पलाइन या पर दर्ज कराएं।

शिकायत के बाद नहीं हुई सुनवाई तो 70 Km दूर पहुंची अतिथि शिक्षिका

जबलपुर। ऑनलाइन प्रवेश देने वाले उच्च शिक्षा विभाग के संभागीय कार्यालय में भर्राशाही का आलम ये है कि एक माह पहले भेजे गए मेल पर भी संज्ञान नहीं लिया जाता है। मजबूरी में शिकायतकर्ताओं को मेल की खुद 70 किलोमीटर दूर कॉलेज छोड़कर जबलपुर मुख्यालय आना पड़ा। मामला मंडला जिले के निवास सरकारी कॉलेज का है। जहां की महिला अतिथि शिक्षकों ने उच्च शिक्षा के अतिरिक्त संचालक के पास पहुंचकर प्राचार्य की मनमानी के खिलाफ शिकायत दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज की प्राचार्या उनके साथ ठीक व्यवहार नहीं करती हैं। वे कपड़ों को लेकर गंदी भाषा का उपयोग करती हैं और छात्र-छात्राओं के सामने ही शिक्षकों पर चीखती -चिल्लाती हैं।शिकायत करने पर भी नहीं हुई सुनवाई पीड़ित शिक्षिकाओं का आरोप है कि उन्होंने सात जुलाई की घटना के बारे में 11 जुलाई 2025 को शिकायत बनाकर क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक कार्यालय में मेल किया था।

बेटे का शव देखकर पिता ने भी तोड़ा दम, गांव में पसरा मातम

दतिया। बेटे के शव को देखकर पिता ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया। यह दर्दनाक घटना थरेट क्षेत्र के ग्राम सेंथरी में शनिवार को घटित हुई। जहां युवक आनंद पाल उर्फ दीपू का शव शनिवार शाम गांव सेंथरी लेकर स्वजन पहुंचे तो उसे देख पिता रामवरन पुत्र पंचम बघेल को गहरा सदमा लगा और उनकी तबीयत बिगड़ गई। घर के लोग उन्हें लेकर इंदरगढ़ अस्पताल दौड़े। जहां डॉक्टर ने रामवरन को मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम सा छा गया।

पिता पुत्रों की अंतिम यात्रा को देखकर ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गई। जानकारी के अनुसार सेंथरी के रोड मोहल्ला निवासी युवक आनंद पाल मुंबई में आयशर ट्रक पर ड्राइवरी करता था। जहां गत सात सितंबर को एक सड़क दुर्घटना में वह गंभीर रुप से घायल हो गया। स्वजन को जब खबर लगी तो वह उसे उपचार

के लिए ग्वालियर अस्पताल लेकर आ गए। जहां युवक का उपचार चल रहा था। शनिवार सुबह उसने दम तोड़ दिया तो स्वजन आनंद का शव बिना पोस्टमार्टम कराए सीधे सेंथरी लेकर आ गए।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया

इधर घर से पिता-पुत्र के शवों को मुक्तिधाम ले जाकर अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही थी। तभी थरेट पुलिस मौके पर पहुंच गई। जिसने दुर्घटना में घायल हुए युवक आनंद की मौत के बाद ग्वालियर में पोस्टमार्टम न कराकर शव सीधे गांव लेकर आ जाने पर कार्रवाई करते हुए युवक के शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए इंदरगढ़ भिजवाया।

इसके बाद सिर्फ मृतक के पिता के भी अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी हो सकी। मृतक आनंद के शव का रविवार को पोस्टमार्टम होने के बाद ही अंतिम संस्कार हो सकेगा। इस घटना को लेकर ग्रामीणों का कहना था कि इतनी बड़ी अनहोनी में बेटे ने पहले दम तोड़ा था, लेकिन उससे पहले पिता की चिता को आग लग गया। इस दुखद हादसे को लेकर गांव के लोग सदमे में नजर आए।

लोकसेवकों के लिए सर्वाधिक डिजिटल प्रशिक्षण कोर्स तैयार करने वाला पहला राज्य बना मध्यप्रदेश

डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म iGOT पोर्टल पर दो सौ से अधिक हिंदी के प्रशिक्षण कार्यक्रम

इंदौर। मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत प्रदेश के सभी विभागों में कार्यरत लोक सेवकों की कार्यदक्षता बढ़ाने उन्हें डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म iGOT पोर्टल पर पंजीकृत कर लिया गया है। अभी तक 3 लाख 34 हजार लोक सेवकों को आवश्यक विषयों में प्रशिक्षण भी आवंटित किया गया जा चुका है। मध्यप्रदेश सर्वाधिक डिजिटल प्रशिक्षण iGOT पोर्टल पर निर्मित करने वाला पहला राज्य बन गया है और सबसे अधिक लोकसेवकों को iGOT पोर्टल पर पंजीकृत करने वाला तीसरा राज्य है। सभी राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण अकादमियों में म.प्र. की आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी अपने प्रयासों में अग्रणी अकादमी है। आईगाट - iGOT पोर्टल पर 1800 से अधिक अंग्रेजी तथा आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल द्वारा तैयार 200 से अधिक हिंदी के प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर केन्द्र सरकार द्वारा लोकसेवकों की कार्यक्षमता बढ़ाने और उनको नागरिक केन्द्रति होकर कर्मयोगी के रूप में दक्षतापूर्वक अपनी भूमिका निभाने मिशन कर्मयोगी वर्ष 2020 में लागू किया गया था। यह आनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त करने का ऐसा प्लेटफार्म है जिसके माध्यम से सरकारी अधिकारी-कर्मचारी कहीं भी - कभी भी - किसी भी स्थान से अपनी सुविधानुसार स्व-प्रशिक्षति हो सकते हैं। वे अपनी दक्षता और ज्ञान बढ़ाने अपने विभाग से संबंधित विषयों पर उपलब्ध पाठयक्रमों में प्रशिक्षति हो सकते हैं। इसके अलावा अपनी रूचि अनुसान अन्य विभागों के लिए बने पाठयक्रमों में भी प्रशिक्षति हो सकते हैं।

15 से 19 सितम्बर तक कर्मयोगी iGOT पर सीखें सप्ताह का आयोजन- यह प्रशिक्षण सभी विभागों में कार्यरत विभिन्न कैडर्स के लोक सेवकों के लिए प्रासंगिक है। इनमें NPS, सिविल सेवा आचरण नियम, यात्रा भत्ता नियम, भंडार क्रय नियम, RTI, E-office, जैसे अन्य कई विषयों पर पाठ्यक्रम बनाए गए हैं, जिन पर लोक सेवक प्रशिक्षित हो सकते हैं। साथ ही सभी विभागों की कार्यप्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यों पर विभिन्न डिजिटल पाठ्यक्रम निर्मित किए गए हैं, जिनसे अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यस्थल पर ही प्रशिक्षण प्राप्त कर दक्ष हो सकें। अकादमी के महानिदेशक, श्री सचिन सिन्हा के नेतृत्व में आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी द्वारा 15 से 19 सितम्बर तक सभी विभागों में कर्मयोगी द्वतह्ज्ञ पर सीखें सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 15 सितम्बर को इसका शुभारंभ किया जाना प्रस्तावित है। क्षमता निर्माण नीति लागू करने में मध्यप्रदेश आगे- क्षमता निर्माण आयोग से मिले इनपुट को शामिल कर बनी क्षमता निर्माण नीति लागू करने में मध्यप्रदेश अग्रणी है। सभी विभागों में क्षमता निर्माण इकाइयाँ स्थापित हो गई हैं और प्रशिक्षण की आवश्यकता का विश्लेषण करने के बाद कैडर-वार क्षमता निर्माण कार्य योजनाएँ तैयार की जा रही हैं। विभागों में क्षमता निर्माण प्रबंधकों की सेवाएँ लेने का भी प्रावधान है। उन्हें क्षमता निर्माण इकाइयों द्वारा सहयोग दिया जायेगा। क्षमता निर्माण प्रबंधकों द्वारा वार्षिक क्षमता निर्माण योजनाएं तैयार की जाएंगी। विभिन्न विभागों में कार्यरत मानव संसाधन की दक्षता दर्शाने वाला एक डैशबोर्ड तैयार किया गया है, जिससे माध्यम से मुख्यमंत्री कुशल कर्मचारियों की उपलब्धता की स्थिति जान सकेंगे।

नेशनल लोक अदालत में 12 हजार 776 प्रकरणों का निराकरण

इन्दौर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इन्दौर के मार्गदर्शन में 13 सितम्बर 2025 को नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ महात्मा गांधी जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायालय में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, कर्मचारीगण एवं जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष श्री लखनलाल यादव व अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री शिवराज सिंह गवली ने जानकारी देते हुए बताया की आज जिला मुख्यालय के न्यायालय, परिवार न्यायालय, श्रम न्यायालय व जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग के साथ ही बाह्यवर्ती न्यायालय डॉ. अंबेडकर नगर, देपालपुर, सांवेर एवं हातोद में प्रकरणों के निराकरण हेतु गठित कुल 89 खण्डपीठों में मोटर दुर्घटना क्लेम के 961 प्रकरण, सिविल के 111 प्रकरण, विद्युत के 259 प्रकरण, चेक अनादरण के 1094 प्रकरण।

समाज को अनुशासित करने में संत महात्माओं और मुनियों की महती भूमिका - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

इंदौर। आज की दिन आनंद, उत्साह और गौरव का प्रतीक है, समाज को अनुशासित रखने में संत महात्माओं और मुनियों की महती भूमिका रही है। धर्म गुरुओं के संदेश, उपदेशों से भारतीय संस्कृति अक्षुण है। यह बात मध्यप्रदेश की आर्थिकङ्कधार्मिक राजधानी और भारत के स्वच्छतम शहर इंदौर में आयोजित जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ के 14 वें अधिवेशन एवं श्रीसंघ मिलन समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी जिलों में विभिन्न गतिविधियाँ और कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने सभी से अभियान में सहभागिता हेतु आवाह्न किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में उद्योग विकास, निवेश और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। गौमाताओं, गौशालाओं का संरक्षण, दुग्ध संघ के माध्यम से दुग्ध उत्पादन क्षेत्र बढ़ाने में बेहतर कार्य हुए हैं। आत्मनिर्भरता की ओर प्रदेश कदम बढ़ा रहा है।

संघ मिलन समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आचार्य विश्वरत्न सागर का शुभाशीष प्राप्त किया। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मंगल कलश और शुभ अक्षतों की वर्षा कर स्वागत किया गया। इस दो दिवसीय समारोह में अन्य राज्यों व जिलों से आए गणमान्य नागरिकगण पधारे हुए थे।

इस दौरान आचार्य विश्वरत्न सागर ने आशीष वचन से उपस्थितजनों को लाभान्वित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के मुखिया अपने सरल, सहज और समन्वय भाव से प्रदेश को विकास की ओर ले जा रहे हैं।

सखी बहिनपा मैथिलानी समूह ने धूमधाम से मनाया सामूहिक जितिया उत्सव

इंदौर। मिथिला संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से सखी बहिनपा मैथिलानी समूह, इंदौर इकाई ने संतान की लंबी आयु और मंगलकामना के लिए सामूहिक जितिया उत्सव का भव्य आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत महाकवि विद्यापति के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इसके पश्चात मैथिल समाज की महिलाओं ने जितिया पर्व पर आधारित पारंपरिक लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। व्रत से जुड़ी सभी पूजन सामग्री–पान, मखाना, ओकरी, फल, मरुआ रोटी, चूड़ा-दही आदि–को बांस के बने डाले में सजाकर महिलाओं ने सामूहिक रूप से डाला सजाया।

समारोह में उपस्थित सभी महिलाओं को चूड़ा, मरुआ का आटा और सौभाग्य सामग्री का खोंछी भरकर वितरण किया गया। अंत में मिथिला की परंपरा के अनुरूप चूड़ा, दही और मिठाइयों का सामूहिक भोज आयोजित किया गया।

सखी बहिनपा मैथिलानी समूह की प्रमुख ऋतु झा, संगठन मंत्री शारदा झा, कविता झा, श्वेता मिश्रा, सुषमा झा और सोनी झा ने बताया कि जितिया महाव्रत, छठ की तरह ही पूरे मिथिला और बिहार में अत्यंत आस्था और निष्ठा के साथ किया जाता है।

नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह से 233 मामलों का हुआ निराकरण, 3 करोड़ 25 लाख राशि के अवार्ड पारित

इंदौर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया के आदेशानुसार म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत के समक्ष सिविल (एम.ए.सी.टी.आदि), रिट एवं क्रिमिनल से संबंधित कुल 571 प्रकरणों को सुनवाई हेतु रखा गया था जिसमें से कुल 233 प्रकरण निराकृत किये जाकर लगभग राशि 3 करोड़ 25 लाख के अवार्ड पारित किये गये ।

इस वर्ष की तृतीय नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के सभागार में प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विवेक रूसिया ने न्यायाधिपति श्री गजेन्द्र सिंह, न्यायाधिपति श्री पवन कुमार द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रिसिंपल रजिस्ट्रार, श्री अनूप कुमार त्रिपाठी, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, श्री नीरज मालवीय, अध्यक्ष, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ श्री रितेश ईनानी, खण्डपीठ के सदस्य अधिवक्ता श्री पीयूष जैन, श्री अमित दुबे सहित अन्य अधिवक्तागण, बीमा कंपनियों के अधिकारीगण, उच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। न्यायाधिपतिगण द्वारा कांफ्रेंस हॉल में उपस्थित सभी व्यक्तियों को नेशनल लोक अदालत की शुभकामनाएं प्रेषित की गई ।

नेशनल लोक अदालत में उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर की ओर से प्रकरणों की सुनवाई हेतु न्यायाधिपति श्री गजेन्द्र सिंह, न्यायाधिपति श्री पवन कुमार द्विवेदी की खण्डपीठें गठित की गई थी। उक्त खण्डपीठों के समक्ष प्रकरणों को सुनवाई हेतु रखा गया जिसमें खण्डपीठों द्वारा 233 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया ।

माँ नर्मदा और देवी अहिल्या बाई का इंदौर से गहरा और अटूट संबंध : पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल

इंदौर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने आज नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन और स्थानीय विधायक श्री गोलू शुक्ला के साथ इंदौर के राजवाड़ा स्थित लोकमाता देवी अहिल्या बाई की प्रतिमा का 108 नदियों के जल से जलाभिषेक किया। इस मौके पर मंत्री श्री पटेल ने कहा कि माँ नर्मदा और देवी अहिल्या का इंदौर से अटूट संबंध है। माँ नर्मदा मैया अत्यंत पावन है। तीस वर्ष पूर्व मैंने पहली बार माँ नर्मदा की परिक्रमा की थी। उसके बाद पत्नी श्रीमती पुष्पलता पटेल के साथ नर्मदा परिक्रमा यात्रा की। नर्मदा परिक्रमा यात्रा से प्राप्त अनुभव पर एक पुस्तक तैयार की गई है, जिसका लोकार्पण 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के करकमलों से किया जायेगा।

श्री पटेल ने आगे कहा कि बचपन से ही हमारे परिवार का नर्मदा नदी के प्रति गहरी आस्था और लगाव रहा है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवजात बछिया का किया नामकरण

मुख्यमंत्री निवास की गौशाला में हुआ बछिया का जन्म

उज्जैन । मुख्यमंत्री निवास स्थित गौशाला में हाल ही में गाय ने एक प्यारी सी बछिया को जन्म दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस बछिया का जन्म होने पर अत्यंत हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गौसेवा और पशुधन संवर्धन के लिए हमारी सरकार ने अनेक प्रयास प्रारंभ किए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को महालक्ष्मी व्रत पूजन के दिन साक्षात् लक्ष्मी के रूप में मुख्यमंत्री निवास में जन्मी नवजात बछिया का स्वागत सत्कार किया। मुख्यमंत्री ने नवजात बछिया का नामकरण भी कर दिया। अब यह बछिया मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए कमला नाम से जानी जाएगी। कमला पहली ऐसी बछिया है, जिसका जन्म मुख्यमंत्री निवास की गौशाला में ही हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिदिन की तरह रविवार की सुबह गौशाला पहुंचकर यहां मौजूद सभी गायों को रोटी खिलाई। सभी गायों के साथ कमला को भी तिलक लगाकर निवास में उसका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कमला को गोद मे लेकर दुलार किया और मुख्यमंत्री निवास में पदस्थ सभी अधिकारी-कर्मचारियों को मिष्ठान्न खिलाकर कमला के आगमन पर अपनी आत्मीय खुशी जाहिर की।

श्री श्री 1008 महाराज अग्रसेनजी, माता महालक्ष्मी का पूजन कर प्रारंभ हुआ अग्रसेन जयंती महोत्सव

पंडित वि.ना. भातखंडे कला संस्थान द्वारा संझा लोक उत्सव कार्यशाला संपन्न

उज्जैन। पंडित विष्णु नारायण भातखंडे कला संस्थान द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर रतलाम में संझा लोक उत्सव कार्यशाला 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्य श्री मती मेघा मंदसौरकर द्वारा अतिथि परिचय व स्वागत के साथ हुआ।

इस कार्यशाला में संगीत के माध्यम से मालवा की लोक संस्कृति संझा के बारे में बताते हुए प्रशिक्षण दे रहे मानसेवी डॉ. सतीश गोथरवाल ने संझा पर आधारित लोक गीतों में संजा का दरबार चंपो, पेली आरती, संजा तो मांगे हरियो गोबर, छोटी सी गाड़ी रुड़कती जाए, म्हारा आंगण में केल ऊगी, काजल टिकी लो भई, मेवाजी आप बरसों ने, पानी बाबा आया इत्यादि को बड़े रोचक तरीके से सिखाया। लोक गायन की प्रस्तुति संस्था अध्यक्ष धनवंती गोथरवाल, प्रियांशी शर्मा, हिराश्मी चौहान, माही प्रिया, धनिष्ठा चौहान, काव्या बैरागी, आर्यमन द्वारा दी गई तथा तबला संगत केशव सोलंकी ने की। मुख्य अतिथि श्री सरस्वती शिशु मंदिर के अध्यक्ष भगत सिंह सांखला ने अपने बचपन को याद करते हुए संझा पर्व के बारे में बताया तथा विशिष्ठ अतिथि संस्कार भारती रतलाम इकाई के अध्यक्ष प्रशांत शौचे इन गीतों को सुनकर साथ साथ गाने लगे। आर एस एस रतलाम के प्रताप नगर के सामाजिक समरसता प्रमुख रमेश, प्रो.अनूप तिवारी तथा उपस्थित अविभावकों ने कार्यशाला की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए अपनी और से यथा संभव प्रोत्साहन देने की बात कही। कार्यशाल में विद्यालय के कक्षा 1 से 8 तक के भैया बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम

बटीक प्रिंटिंग पर अल्पावधि रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण का समापन

उज्जैन। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं अमीना बटीक प्रिंटर्स भेरूगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में 60 घंटे का भेरूगढ़ बटिक प्रिंट पर आयोजित अल्पावधि रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण का समापन प्राचार्य डॉ. कल्पना सिंह द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण में महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भेरूगढ़ बटिक प्रिंटिंग के बारे में प्रायोगिक तरीके से विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

दांतों की देखभाल में नई क्रांति उज्जैन में कंपोजिट फिलिंग तकनीक पर व्याख्यान

उज्जैन। इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) उज्जैन शाखा द्वारा होटल अंजूश्री में कंपोजिट द्वारा कैविटी फिलिंग की नवीनतम तकनीक विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। यह शैक्षणिक सत्र प्रख्यात दंत चिकित्सक डॉ. शिवम उपाध्याय द्वारा लिया गया, जिसमें आधुनिक दंत चिकित्सा पद्धतियों और तकनीकी नवाचारों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

आईडीए उज्जैन के अध्यक्ष डॉ. इमित सलूजा ने इस अवसर पर कहा कि, दांतों की समस्याएं आज हर आयु वर्ग, बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक में सामान्य हो गई हैं। ऐसे में कंपोजिट फिलिंग की यह नई तकनीक दंत चिकित्सकों के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रभावी साबित होगी।

कार्यक्रम का संचालन और समन्वय डॉ. आदित्य सिंह गौड़ द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आईडीए सचिव डॉ. नितिन जैन, कोषाध्यक्ष डॉ. अंकित बाबर, डॉ. अपूर्व धारीवाल, डॉ. गौरव अरोरा, डॉ. निखिल शर्मा, डॉ. वैभव जैन, डॉ. निहित राणा, डॉ. निकिता पाटीदार, डॉ. मनु मारोठिया, डॉ. सोनल श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में दंत चिकित्सकों ने भाग लिया।

पंडित वि.ना. भातखंडे कला संस्थान द्वारा संझा लोक उत्सव कार्यशाला संपन्न

उज्जैन। पंडित विष्णु नारायण भातखंडे कला संस्थान द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर रतलाम में संझा लोक उत्सव कार्यशाला 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्य श्री मती मेघा मंदसौरकर द्वारा अतिथि परिचय व स्वागत के साथ हुआ।

इस कार्यशाला में संगीत के माध्यम से मालवा की लोक संस्कृति संझा के बारे में बताते हुए प्रशिक्षण दे रहे मानसेवी डॉ. सतीश गोथरवाल ने संझा पर आधारित लोक गीतों में संजा का दरबार चंपो, पेली आरती, संजा तो मांगे हरियो गोबर, छोटी सी गाड़ी रुड़कती जाए, म्हारा आंगण में केल ऊगी, काजल टिकी लो भई, मेवाजी आप बरसों ने, पानी बाबा आया इत्यादि को बड़े रोचक तरीके से सिखाया। लोक गायन की प्रस्तुति संस्था अध्यक्ष धनवंती गोथरवाल, प्रियांशी शर्मा, हिराश्मी चौहान, माही प्रिया, धनिष्ठा चौहान, काव्या बैरागी, आर्यमन द्वारा दी गई तथा तबला संगत केशव सोलंकी ने की।

मुख्य अतिथि श्री सरस्वती शिशु मंदिर के अध्यक्ष भगत सिंह सांखला ने अपने बचपन को याद करते हुए संझा पर्व के बारे में बताया तथा विशिष्ठ अतिथि संस्कार भारती रतलाम इकाई के अध्यक्ष प्रशांत शौचे इन गीतों को सुनकर साथ साथ गाने लगे।

आर एस एस रतलाम के प्रताप नगर के सामाजिक समरसता प्रमुख रमेश, प्रो.अनूप तिवारी तथा उपस्थित अविभावकों ने कार्यशाला की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए अपनी और से यथा संभव प्रोत्साहन देने की बात कही। कार्यशाल में विद्यालय के कक्षा 1 से 8 तक के भैया बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन गायत्री चौहान एवं आभार अमित जी ने माना।

किरण शर्मा भारतीय स्त्री शक्ति संगठन राष्ट्रीय की महामंत्री नियुक्त

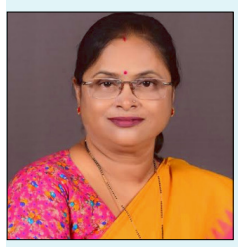

उज्जैन। भुवनेश्वर, ओड़िशा में आयोजित भारतीय स्त्री शक्ति संगठन की साधारण सभा में शारदा समूह की संचालिका किरण शर्मा को संगठन की राष्ट्रीय महामंत्री निर्वाचित किया गया।

किरण शर्मा वर्ष 2012 से भारतीय स्त्री शक्ति संगठन से जुड़ी हुई हैं। संगठन में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए उन्होंने 2018 में मध्यप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। लगातार 6 वर्षों तक प्रदेश अध्यक्ष के पद पर रहते हुए अपने समर्पित नेतृत्व व सक्रिय योगदान से उन्होंने संगठन को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। अब उन्हें भारतीय स्त्री शक्ति संगठन की राष्ट्रीय महामंत्री का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।

गौरतलब है कि भारतीय स्त्री शक्ति संगठन की स्थापना 1986 में निर्मला बाल आप्टे द्वारा की गई थी। राष्ट्रीय महामंत्री पद पर पूर्व में मनीषा कोठेकर, नयना विनय सहस्त्रबुद्धे, वर्षा विनोद तावड़े और जयश्री वी. मुरलीधरन जैसी प्रतिष्ठित महिलाएँ कार्य कर चुकी हैं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com